Jiwaji University
Gwalior (M.P)

School of Studies in Distance Education

Application form & Information Bulletin

वर्ष 2012—2013

Contact Address:
Director, School of Studies in Distance Education
Doorasth Shikshan Bhawan, University Campus
Gwalior

संपर्क पता:—
निदेशक दूरस्थ अध्ययनशाला,
दूरस्थ शिक्षण भवन, जीवाजी विश्वविद्यालय परिसर, ग्वालियर (म.प.)
फोन न. (0751) 2442863 (कार्यलय)(0751) 2442868(निदेशक)
उपनिदेशक 2442630
Jiwaji University Gwalior (M.P)  
School of studies In Distance Education  
दूरस्थ शिक्षण अध्ययनशाला जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प.)

1. Hon.ble Vice Chancellor :  Prof. M. Kidwai  
2. Registrar :  Prof. Anand Mishra  
3. Director :  Prof. Umesh Holani  
4. Dy Director :  Prof. A.K, Sharma  
5. Phone :  (0751) 2442868 (Director)  
           2442630 (Dy. Director)  
           2442869 (Office)  
           2442615 (Counselor)

Index:-

1. About Distance Education Mode  
2. An Introduction of S.O.S  
3. Courses Conducted and Details of Fee  
4. Admission Process And Rules  
5. Enrollment of Students  
6. Teaching / Contact Programme  
7. Study / Learning Material  
8. Assignment work / Project Work  
9. Study / Examination Centers  
10. Examination and Results  
11. Important News and Information  
12. Syllabus of the courses conducted
प्रो. मज़ाहिर किदवई
माननीय कुलपति
जीवाजी विश्वविद्यालय,
रवालियर (म.प.)

कुलपति महोदय की कलम से......................

किसी भी देश के सामाजिक उद्यान के लिए शैक्षणिक प्रयास अति महत्वपूर्ण हैं
क्योंकि शिक्षा के बिना झांस, कौशल एवं व्यवहार में पारंपरित होना असम्भव है।
दूरस्थ शिक्षा का सामान्य उद्देश्य जिन्हें एंव शिक्षक के मध्य वह संचार है
जो समय एवं सीमा के बंधन से मुक्त हो। दूरस्थ शिक्षण के माध्यम से
राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छात्र/छात्राओं को शिक्षा के समान अवसर
उपलब्ध कराने का तथा इसकी एक अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका होती है। वर्तमान में सूचना
तकनीकि विकास के कारण
रेडियो, टेलीफोन, इंटरनेट एवं अन्य दूरसंचार माध्यमों के इस क्षेत्र के विस्तार
में अनुमोदन योगदान दिया है, जिसके कारण इसे जनप्रिय शिक्षण प्रणाली के
रूप में विश्वभर में सम्मान प्राप्त हुआ है। सेटेलाइट कम्युनिकेशन जैसे
नवाचुनिक तंत्र भी इस शिक्षण प्रणाली में अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे
है। यही कारण है कि विश्वभर में दूरस्थ शिक्षण द्वारा उच्च शिक्षा के विकास
एवं प्रसार में जित नये सोपान तय किए जा रहे हैं।

जीवाजी विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 1994 में स्थापित दूरस्थ शिक्षण
अध्ययनशाला, दूरस्थ शिक्षा परिषद् नई दिल्ली से समय-समय पर प्राप्त किए
गए विद्यालय अनुदान के सहयोग से निर्माण प्रणाली के पथ पर अग्रसर है।
वर्तमान में वह विभाग विभिन्न संकायों के अंतर्गत 27 पाठ्यक्रम संचालित
कर रहा है। जिसमें स्नातक, स्नातकोत्तर एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रम सम्मिलित
है।

मैं इस अध्ययनशाला के उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ।

(प्रो. मज़ाहिर किदवई)
1. ABOUT DISTANCE EDUCATION MODE :-

Higher education in India has always been characterized by frequent changes. In its early years, the system was made up of small, private colleges for the well to do. Over time, public-supported universities arose to provide education to all economic groups. The need for higher education continues to grow with the expanding population of the India, and change in structure is inherent with this growth.

Distance education, a developing educational delivery system, is an alternative to traditional classroom teaching. Distance education is intended primarily to meet the educational needs of students prevented by work or family obligations from attending classes at traditional campus locations or class times. The distance students prefer to control the pace of their learning and prefer independent study. They also have less need for structured learning experiences and interaction with the professor or other students.

A number of studies have been conducted addressing the challenges that arise from distance delivery. Teaching courses at a distance requires considerable adjustments be made by both the instructor and the distance students. Both the instructor and the students must adjust teaching styles to fit the requirements of distance delivery, while technology adds new challenges that require adaptations.

The Distance Education has not only challenged the traditional form of higher learning but also served as a movement to overcome generic problems of scarcity and exclusivity of traditional universities. The challenge before the open and distance learning system is not on how to be an alternative system but to make a definite contribution to the development of knowledge-based human resources rather than simply being a mechanism to expand the existing educational system.

MISSION STATEMENT

Our mission is to provide the higher education needed to those who are unable to join the regular education programmes in the University and to make use of education empowering youngsters especially of rural and remote areas for a proactive and meaningful participation in all decision making and development activities of society and the nation.

OBJECTIVES

To provide quality education opportunity to youngsters living in rural and remote areas in order to prepare them for a constructive role in the knowledge based society.

To equip them in skill that is demanded by a market driven society.

To provide an opportunity for professionals to enhance their academic qualifications.
Main objectives of Distance Mode Education Programmes are:

(A) To provide quality educational opportunity to youngsters in rural area in order to prepare them for a constructive role in the knowledge society.

(B) To equip youngsters in rural area in skills, which are in demand by a market driven society

(C) To develop awareness to continue education among those who discontinue their education after 10+2 because of their poor economic condition. If such students are encouraged to join distance mode education then they can work to earn money and continue their education.

(D) Those who are in service and cannot attend regular classes are encouraged to join distance mode of education.

(E) To run those Courses which the University is not running.

Teaching and learning at a distance is demanding. However, learning will be more meaningful and “deeper” for distant students, if the students and their instructor share responsibility for developing learning goals and objectives; actively interacting with class members; promoting reflection on experience; relating new information to examples that make sense to learners; maintaining self-esteem; and evaluating what is being learned. This is the challenge and the opportunity provided by distance education.

दूरस्थ शिक्षा एक परिदृश्य

भारत में उच्च शिक्षा सर्वदा से परिवर्तनशील रही है। प्रारंभिक वर्षों में उच्च शिक्षा की प्रक्रिया स्वायत्त एवं छोटे महाविद्यालयों के रूप में प्रारंभ हुई। कालान्तर में सरकारी विश्वविद्यालय सभी आर्थिक समूहों को शिक्षा प्रदान करने के लिए शुरू किए गए। भारत की बढ़ती हुई आबादी के अनुसार उस शिक्षा की आवश्यकता महसूस की गई और इस बढ़ोतरी के साथ ही नीतिगत एवं संरचनात्मक पृष्ठ हुई।

दूरस्थ पद्धति, शिक्षा प्रदान करने के लिए पारस्परिक शिक्षा का पर्याप्त है। दूरस्थ शिक्षा उन लोगों के लिए लाभदायक है जो परिवार के उत्तरदायित्वों से निर्भर महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में प्रवेश नहीं ले सकते। दूरस्थ शिक्षा के विद्यार्थी अपने - अपने ज्ञान के कदमों को निर्धारित करके स्वतंत्र रूप में अध्ययन करते हैं। इस पद्धति में क्षेत्र अध्ययन पद्धति एवं शिक्षक विद्यार्थी आदान - प्रदान की भी आवश्यकता महसूस नहीं करते।

दूरस्थ प्रणाली में विभिन्न प्रकार के विषयों के अध्ययन को समाहित किया गया है। दूरस्थ शिक्षा के अन्तर्गत शिक्षक एवं विद्यार्थी सामनजस्त की स्थिति को बनाते हैं। शिक्षक एवं विद्यार्थी दोनों दूरस्थ प्रक्रिया में सामनजस्त बनाते हैं, जबकि तकनीकी शिक्षा इसमें नए अंशों को जोड़ती है।

दूरस्थ शिक्षा में न केवल प्रारंभिक उच्च शिक्षा पद्धति को नकसा है, बल्कि जो परम्परागत विश्वविद्यालय हैं उनके नीतिगत एवं संरचनात्मक पहलुओं का भी अध्ययन किया है। दूरस्थ मुक्त शिक्षा के द्वारा एक वैकल्पिक व्यवस्था का निर्माण करती है और ज्ञान पर आधारित मानवीय संसाधनों के लिए योगदान भी देती है। यह परम्परागत शिक्षा के महत्त्वकर्ता को बढ़ावा नहीं देती।
लक्ष्य कथन
समाज की निर्णायक विकासात्मक गतिविधियों में सक्रिय एवं सार्थक सहभागिता हेतु दूर-दराज के युवा शक्तियों को सशक्त बनाने में शिक्षा का समृद्धियोग करना।

उद्देश्य
• शिक्षित समाज में सकारात्मक भूमिका निभाने हेतु दूर-दराज रहने वाले विद्यार्थियों को ज्ञान वर्धक एवं गुणात्मक शिक्षा के अवसर प्रदान करना।
• व्यवसायिक समाज की मांग के अनुसरण आवश्यक सभी क्षेत्रों में दक्षताएं प्रदान करना।
• व्यवसाय करने वाले लोगों को अपना शैक्षणिक स्तर ऊपर करने के लिए ऐसा वातावरण देना जो उनके स्तर को बढ़ाने में सहयोग कर सके।

दूरस्थ शिक्षा पद्धति के मुख्य बिंदु निम्नानुसार है।
• ग्रामीण क्षेत्रों के नवयुवकों को शिक्षित समाज में उच्च शिक्षा एवं रचनात्मकता सुजननामकता के अवसर प्रदान करना।
• व्यवसायिक समाज की आवश्यकता के अनुसरण ग्रामीण युवकों में कुशलता की बढ़ोतरी करना।
• कमजोर आर्थिक स्थिति के कारण इंटरमीडिएट के पश्चात अध्ययन/पढ़ाई बन्द कर देने वालों का अध्ययन के प्रति जागरूक करना। ऐसे विद्यार्थी जो दूरस्थ शिक्षा पद्धति के माध्यम से शिक्षा के लिए उत्साहित होते हैं तो वे आर्थिक स्थिति के साथ – साथ अपने पढ़ाई/अध्ययन को भी जारी रख सकते हैं।
• नींवी पेशा लोग जो नियमित कक्षाओं में आकर अध्ययन नहीं कर सकते उन्हें दूरस्थ शिक्षा पद्धति द्वारा अध्ययन करने हेतु प्रोत्साहित करना।
• ऐसे पाठ्यक्रमों को संचालित करना जो विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों में संचालित नहीं हो रहे हैं।

वर्तमान में दूरस्थ शिक्षा द्वारा अध्ययन अध्ययनकारी को प्रवचन बढ़ रहा है। फिर भी विद्यार्थियों के लिए यह अधिक अर्थपूर्ण एवं गहन होगा जब विद्यार्थी एवं उसके शिक्षक आपस में मिलकर उसके अध्ययन विकास उद्देश्य एवं विशेषताओं की प्राप्ति के लिए कक्षा के सदस्यों के साथ साथ विचारों के आदान प्रदान, अनुभवों के आधारों, नवीनतम जानकारियों के अध्ययन, उदाहरणों से विद्यार्थियों में स्वाभाविक एवं उसके मूल्यांकन पद्धति जागरूकता लाना इस प्रकार की चुनौती एवं अवसर दूरस्थ शिक्षण में प्रदान की जाती है।
2. An Introduction of S.O.S :-

Jiwaji University had established an Institute in Distance Education in 1995 to run various professional and conventional academic programmes through distance mode. Later on it became School of Studies which is running various professional and conventional academic programmes as per the guidelines of Distance Education Council (DEC), New Delhi.

The School of Studies in Distance Education, Jiwaji University offers distance education courses from its main campus, as well as from a number of education centers in different affiliated colleges. The distance education courses available at the school are delivered by counselling, contact programmes, home assignments and annual examinations. The Jiwaji University continued evaluation and improvement of the programmes it offers in order to ensure its ability to provide a high quality education to its students. Continued evaluation of its educational programmes allows the institution to remain competitive.

The NAAC committee has also appreciated the programmes of the Distance Education, Jiwaji University. Recognising the best efforts taken by the Distance Education, the Distance Education Council, New Delhi is providing development grants every year to the School of Studies to take up programmes for promoting the Distance Education in the University. The DEC recommended guidelines, which are based on the UGC”s Plan of Action for providing development support.
### 3. Courses Conducted and Details of Fee:

<table>
<thead>
<tr>
<th>S. No.</th>
<th>Courses offered</th>
<th>Duration Year</th>
<th>Eligibility for Admission</th>
<th>Installment First</th>
<th>Second</th>
<th>Total Fee for 1 Year</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>B.A. (any three subject out of History, Pol.Sci. Eco., Geography, Sociology, Fine art, Home science.)</td>
<td>3</td>
<td>10+2 in any stream</td>
<td>1,500</td>
<td>--</td>
<td>1,500</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>B.Com.</td>
<td>3</td>
<td>10+2 in Commerce</td>
<td>1,500</td>
<td>--</td>
<td>1,500</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>B.Sc. (PCM)</td>
<td>3</td>
<td>10+2 in Science (Maths)</td>
<td>2,500</td>
<td>--</td>
<td>2,500</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>B.Sc. (ZBC)</td>
<td>3</td>
<td>10+2 in Science (Bio)</td>
<td>2,500</td>
<td>--</td>
<td>2,500</td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>B.Sc. (Computer Sc., P,M)</td>
<td>3</td>
<td>10+2 in Science (Maths)</td>
<td>2,500</td>
<td>--</td>
<td>2,500</td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>B. Lib. &amp; Information Sci.</td>
<td>1</td>
<td>Graduate in any stream</td>
<td>5,000</td>
<td>5,000</td>
<td>10,000</td>
</tr>
<tr>
<td>7.</td>
<td>B.J.M.C.</td>
<td>1</td>
<td>Graduate in any stream</td>
<td>5,000</td>
<td>5,000</td>
<td>10,000</td>
</tr>
<tr>
<td>8.</td>
<td>M.A. (Economics)</td>
<td>2</td>
<td>Graduate in any stream</td>
<td>2,500</td>
<td>--</td>
<td>2,500</td>
</tr>
<tr>
<td>9.</td>
<td>M.A. (History)</td>
<td>2</td>
<td>Graduate in any stream</td>
<td>2,500</td>
<td>--</td>
<td>2,500</td>
</tr>
<tr>
<td>10.</td>
<td>M.A. (Sociology)</td>
<td>2</td>
<td>Graduate in any stream</td>
<td>2,500</td>
<td>--</td>
<td>2,500</td>
</tr>
<tr>
<td>11.</td>
<td>M.A. (English)</td>
<td>2</td>
<td>Graduate in any stream</td>
<td>2,500</td>
<td>--</td>
<td>2,500</td>
</tr>
<tr>
<td>12.</td>
<td>M.A. (Hindi)</td>
<td>2</td>
<td>Graduate in any stream</td>
<td>2,500</td>
<td>--</td>
<td>2,500</td>
</tr>
<tr>
<td>13.</td>
<td>M.A. (Sanskrit)</td>
<td>2</td>
<td>Graduate in any stream</td>
<td>2,500</td>
<td>--</td>
<td>2,500</td>
</tr>
<tr>
<td>14.</td>
<td>M.A. (Political Science)</td>
<td>2</td>
<td>Graduate in any stream</td>
<td>2,500</td>
<td>--</td>
<td>2,500</td>
</tr>
<tr>
<td>15.</td>
<td>M.A. (Public Administration)</td>
<td>2</td>
<td>Graduate in any stream</td>
<td>3,500</td>
<td>--</td>
<td>3,500</td>
</tr>
<tr>
<td>16.</td>
<td>M.A. (Geography)</td>
<td>2</td>
<td>Graduate in any stream</td>
<td>3,500</td>
<td>--</td>
<td>3,500</td>
</tr>
<tr>
<td>17.</td>
<td>M.A. (Drawing &amp; Painting)</td>
<td>2</td>
<td>Graduate in any stream</td>
<td>5,000</td>
<td>5,000</td>
<td>10,000</td>
</tr>
<tr>
<td>18.</td>
<td>M.A. Social Work</td>
<td>2</td>
<td>Graduate in any stream</td>
<td>5,000</td>
<td>5,000</td>
<td>10,000</td>
</tr>
<tr>
<td>19.</td>
<td>Master of Library Science &amp; Information Sci.</td>
<td>1</td>
<td>B. Lib.</td>
<td>5,000</td>
<td>5,000</td>
<td>10,000</td>
</tr>
<tr>
<td>20.</td>
<td>M.J.M.C.</td>
<td>1</td>
<td>B.J.M.C.</td>
<td>5,000</td>
<td>5,000</td>
<td>10,000</td>
</tr>
<tr>
<td>21.</td>
<td>MBA (General)</td>
<td>3</td>
<td>Graduate in any stream with 45% Marks</td>
<td>10,000</td>
<td>5,000</td>
<td>15,000</td>
</tr>
<tr>
<td>22.</td>
<td>MBA (Rural Technology and Management)</td>
<td>2</td>
<td>Graduate in any stream with 45% Marks</td>
<td>10,000</td>
<td>5,000</td>
<td>15,000</td>
</tr>
<tr>
<td>23.</td>
<td>MBA (Chemical Sales &amp; Marketing Management)</td>
<td>2</td>
<td>Graduate in any stream with 45% Marks</td>
<td>10,000</td>
<td>5,000</td>
<td>15,000</td>
</tr>
<tr>
<td>24.</td>
<td>Psychological Counseling</td>
<td>1</td>
<td>Graduate in any stream</td>
<td>5,000</td>
<td>--</td>
<td>5,000</td>
</tr>
<tr>
<td>25.</td>
<td>Computer Applications</td>
<td>1</td>
<td>Graduate in any stream</td>
<td>5,000</td>
<td>--</td>
<td>5,000</td>
</tr>
<tr>
<td>26.</td>
<td>Human Resources Development</td>
<td>1</td>
<td>Graduate in any stream</td>
<td>5,000</td>
<td>--</td>
<td>5,000</td>
</tr>
<tr>
<td>27.</td>
<td>Yoga Education</td>
<td>1</td>
<td>Graduate in any stream</td>
<td>5,000</td>
<td>--</td>
<td>5,000</td>
</tr>
</tbody>
</table>

### Important Note:

- **All fee will be deposited by Bank challan of C.B.I. or D.D. from any Nationalised Bank in favour of “Registrar Jiwaji University Payble at Gwallor, (M.P.) Pin – 474011**
- In any case the fees will not be refunded after depositing the fee and declaration of admission list or with in one month of depositing which is come first.

In addition of course fee, examination will be charged extra at the time of submission of examination form during the contact classes or as a decided by the University.
4. Admission Process And Rules :-

Admissions for all courses shall be made from 15 July 2012 provide opportunity to the education seekers. Admission form can be collected directly from the School of Studies in Distance Education or any study centre or download from the University website www.Jiwaji.edu. Admission is open to all those who pass the prescribed minimum qualification. Admissions will be made provisionally, subject to verification of required documents and eligibility conditions.

- Admission form can be collected from 20 July 2012 directly from the School of Studies in Distance Education or any study centre or from website of www.Jiwaji.edu on payment of a Rs.200/- by Bank challan of C.B.I. or DD of Rs.200/- (Rs.250/-by post) in favour of The Registrar, Jiwaji University, payable at Gwalior.

- Complete admission form along with photo copies of documents and the required course fee (First Installment) by Bank challan of C.B.I. or DD in the favour of “Registrar, Jiwiji University, Gwalior”, should be submitted in the School of Studies of Distance Education or in their Study Centres, or send by post in the name of “Director, Distance Education, Distance Education Building, Jiwaji University Campus, Gwalior M.P. Pin 474011” up to 15 September 2012 without late fee and 30 November with Rs. 200/- Late fees.

- Fee of all the candidates which are not eligible or incomplete will be refunded except form fees within a month from the date of declaration of admission list. After that no fees will be refunded to any candidates.

- Course fee may be refunded to the candidates in case sufficient number of candidates have not applied for a particular course or if the course is not started due to some reasons.

- The students coming from out side the Jiwaji University jurisdiction and/or from boards other than M.P. Board of 10+2 examination, Bhopal such students have to submit there enrollment application form along with migration certificate and prescribed fees to the University office. After the confirmation of their admission. But at the time of admission such students also have to be submitted a eligibility certificate from Jiwaji University, Gwalior

5. Enrollment of Students and Admission List :-

- After verifying the received admission forms carefully, admission list of the eligible candidates will be displayed by First November of each year on the notice board of the SOS in Distance Education on the due date. The list may also be found on the website also. Besides this, individual candidates will also be informed by post. (but not necessary) the candidates are further advised to make contact by phone or letter if they do not receive information in this regard.
6. Teaching / Contact Programme :-

1. continuous contact / Counseling :- The SOS provides continuous contact facilities to every admitted student keep contact with the concern counsellor or teacher in person or by post, or phone and by e-mail for solving his/her course related problems and for getting any kind of guidance.

2. Personal Contact programme (PCP) :- In Each course 10 days personal contact classes will be arranged / organized, with the help of subject experts concern at SOS and or study centers. During the classes, lectures and guidance on the course, theories, practicals, projects, field work will be included.

7. Study / Learning Material :-

Although the department is working hard to provide study material to the students in time, but in some cases where the study material is not available because of under preparation the students will be provided the related subject books and reference material so that student can arrange the study by own. However the study material / books can be handed over to the students during the contact classes by personally.

8. Assignment (Internal Valuation) and Project Work :-

As per the provisions of Distance Education mode study, each subject is divided into parts, i.e., 70% of theoretical examination and 30% for assignment work (Internal Valuation). Theory examination(s) will be conducted by the university as annual examinations while internal examination(s) will be conducted in the form of assignment work. The student has to submit his/her assignment work response sheet (answer book) in the SOS as per instructions on/or before the given date. A student can not appear in the annual theory examinations, if he/she does not submit the completed assignment work(s) on or before the given date.

The students also have to submit his/her project work / field work / placement work as per the provision of course curriculum on or before the given date. A candidate will be responsible for not doing so.

9. Study / Examination Centers :-

The SOS Distance Education, Jiwaji University, Gwalior is study and Examination center for all courses run under Distance Education Mode In addition of that some study and examination centers in various districts under the Jiwaji University Jurisdiction i.e. Bhind, Datia, Guna, Gwalior, Morena, Sheopur, Ashok Nagar and Shivpuri are approved to at the Govt./ Private Colleges. However no study and examination center will be available / established out of Jiwaji University, Gwalior Jurisdiction area. The approved studies Centers As Under.
<table>
<thead>
<tr>
<th>S/no.</th>
<th>Name Of Studies Centers</th>
<th>Distt.</th>
<th>Approved Courses Offered</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>17.</td>
<td>Rhada krishna mahavidyalaya</td>
<td>Indergarh</td>
<td>U.G. B.A.</td>
</tr>
<tr>
<td>19.</td>
<td>Parshutam Mahavidyalaya dandroa</td>
<td>Moa</td>
<td>U.G. B.A.</td>
</tr>
</tbody>
</table>
10. **Examination and Results :-**

The Annual theory examinations will be held as per the time table declared by the university in the month of March, April and May in each year. Students will be informed accordingly by post, phone and e-mail. However students are also advised to obtain information regarding examination from the SOS / University through own efforts. As per the provisions of the course the students has to appear in practical examination and project / field / placement viva-voce examination on the date decided by the SOS. Students will be informed accordingly but they are also advised to obtain information from the SOS / University in this regard.

The results of all courses will be declared by the University will be available on the website of the university but the marksheet transfer certificate, migration certificate can be obtained by the students himself/herself from the SOS after submitting an application and depositing the all dues.

However the students declared fail or PNS / Supplementary are advised to apply / submit her / his examination form with fee again to admit next examination, If they feel so.
11. **Important News and Information :-**

Academic Activities and informations regarding Session **2012-2013**

Last Date for Depositing Completed Admission Forms:

- Without late fees : 15 September 2012
- With Late fees of Rs. 200/- : 30 November 2012
- Issue of admission List : First week of December 2012

Proposed Personal Contact Programmes Dates for the year 2012-2013.

<table>
<thead>
<tr>
<th>No.</th>
<th>Nature of Course</th>
<th>Name of the Course</th>
<th>Proposed Dates</th>
</tr>
</thead>
</table>